CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 122 रायपुर, मंगलवार 27 मई 2025 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

भारतमाला प्रोजेक्ट घोटाला

जांच में मिले 150 संदिग्ध खातेधारक, पूछताछ जारी

रायपुर, 27 मई (हाईवे चैनल)। भारतमाला प्रोजेक्ट के भू-अर्जन घोटाले मामले में अबतक की जांच में 150 संदिग्ध लोगों की जानकारी और उनके 130 बैंक खातों के बारे में पता चला है, जिसकी गहनता से इस वक्त जांच की जा रही है. जो संदिग्ध मिले में हैं उनमें महासमुंद और अभनपुर के लोग शामिल हैं. महसमुंद के आईसीआईसीआई बैंक के 130 बैंक खाते मिले हैं. इन खातों के जरिए कितने रूपये का लेन-देन हुआ है इसकी जांच जारी है.

इस घोटाला मामले में जांच एसीबी-ईओडब्ल्यू ने पिछले 1 महीने के भीतर दर्जनभर से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की, जिसमें कुछ लोगों की गिरफ़्तारी भी हुई है. इनमें केदार तिवारी और उनकी पत्नी उमा तिवारी, कारोबारी हरमीत सिंह खनूजा और विजय जैन शामिल हैं. ये सभी न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद हैं. छापेमारी के दौरान बरामद किए गए अहम दस्तावेज और कई लोगों से पूछताछ में 150 संदिग्ध और उनके खातों की जानकारी सामने आई. भारत माला प्रोजेक्ट के मुआवजा राशि जिन दो दर्जन किसानों के खाते में आई, यह राशि हरमीत सिंह के खाते में ट्रांसफर होने की जानकारी एसीबी-ईओडब्ल्यू को पता चली है.

छत्तीसगढ़ में भारतमाला परियोजना के तहत राजधानी रायपुर से विशाखपट्टनम तक 950 किमी सड़क निर्माण किया जा रहा है. इस परियोजना में रायपुर से विशाखापटनम तक फोरलेन सड़क और दुर्ग से आरंग तक सिक्सलेन सड़क बनना प्रस्तावित है. इस सड़क के निर्माण के लिए सरकार ने कई किसानों की जमीनें अधिग्रहित की है. इसके एवज में उन्हें मुआवजा दिया जाना है, लेकिन कई किसानों को अब भी मुआवजा नहीं मिल सका है. विधानसभा बजट सत्र 2025 के दूसरे दिन नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने इस मुद्दे को उठाया था, जिसके बाद इस मामले में जांच का फैसला लिया गया था. भूमि अधिग्रहण नियम 2013 के तहत हितग्राही से यदि 5 लाख कीमत की जमीन ली जाती है, तो उस कीमत के अलावा उतनी ही राशि यानी 5 लाख रुपए सोलेशियम के रूप में भी दी जाएगी. इस तरह उसे उस जमीन का मुआवजा 10 लाख दिया जाएगा. इसके तहत 5 लाख की यदि जमीन अधिग्रहित की जाती है तो उसके 10 लाख रुपए मिलेंगे और 10 लाख रुपए सोलेशियम होगा. इस तरह हितग्राही को उसी जमीन के 20 लाख रुपए मिलेंगे.

युक्तियुक्तकरण को लेकर सीएम साय की दलील, कहा- इसके जरिए होगा संतुलन

रायपुर, 27 मई (हाईवे चैनल)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने युक्तियुक्तकरण को लेकर शिक्षक संघों के विरोध को दरकिनार करते हुए कहा कि यह बच्चों के हित में है. शिक्षकों और छात्रों का अनुपात में संतुलन जरूरी है. कुछ स्कूलों में शिक्षकों की संख्या ज्यादा तो कुछ स्कूलों में बहुत कम हैं. युक्तियुक्तकरण के माध्यम से संतुलित किया जाएगा. रायपुर से सारंगढ़ रवाना होने से पहले मीडिया से चर्चा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि सारंगढ़ और रायगढ़ जिले का दौरा करेंगे. समाधान शिविर में शामिल होंगे. सुशासन तिहार में जनता से संवाद करेंगे. रायगढ़ में सुशासन तिहार की समीक्षा करेंगे. वहीं सुशासन तिहार में विधायकों की रिपोर्ट पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनता से पूछता हूं विधायकगण आपके बीच जा रहे हैं कि नहीं. हमारे सब विधायक क्षेत्र में जा रहे हैं. सुशासन तिहार के दौरान समाधान शिविर अटेंड कर रहे हैं.

कुछ स्कूलों में शिक्षकों की संख्या ज्यादा, तो कुछ में कम

'छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार चरम पर बिना पैसे के काम नहीं हो रहा..'

अपनी ही पार्टी की सरकार पर बरसे ननकीराम कंवर, लगाए नेताओं पर सनसनीखेज आरोप

रायपुर, 27 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ने राज्य की बीजेपी सरकार और पूर्व की केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जब वे गृहमंत्री थे, तब नक्सलियों का खात्मा हो सकता था, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस नीत केंद्र सरकार ने कोई सहयोग नहीं किया और नक्सलियों की मदद की। कंवर ने यह भी दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की वजह से उनकी चुनावी हार हुई।

बिलासपुर में सोमवार को मीडिया से बातचीत में ननकीराम कंवर ने कहा कि केंद्र सरकार का कामकाज संतोषजनक है, लेकिन छत्तीसगढ़ में स्थिति 'जय श्रीराम' जैसी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है और बिना पैसे के कोई काम नहीं हो रहा। कंवर ने दावा किया कि बीजेपी कार्यकर्ता मौजूदा सरकार से खुश नहीं हैं। कंवर ने प्रदेश में सरकारी जमीनों की बिक्री का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वे जनता के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन सरकार और प्रशासन इस मामले में चुप है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी जमीनों की बिक्री नई बात नहीं है, लेकिन इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

ब्रेकिंग न्यूज

देश में 1045 कोरोना मरीज, छग में दो नए कोविड पॉजिटिव की पहचान

नई दिल्ली/रायपुर, 27 मई (हाईवे चैनल)। देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अब कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 1045 हो गई है। केरल में सबसे ज्यादा 430 एक्टिव केस हैं। महाराष्ट्र में 210, दिल्ली में 104 और गुजरात में 83 मामले हैं। कर्नाटक के 80 मामलों है जिसमें से 73 बेंगलुरु में और छत्तीसगढ़ में 2 मामले सामने आए हैं। इसके साथ छत्तीसगढ़ में में अब तक 3 मरीजों की पहचान हो चुकी है। वहीं, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में कुल 10 मरीजों की मौत हुई है। इनमें से 8 की मौत एक हफ्ते के अंदर हुई है।

महाराष्ट्र में कोरोना से सबसे ज्यादा 5 मौतें हुई हैं। पिछले दिन ठाणे में एक महिला की मौत हो गई।

अजीत जोगी प्रतिमा विवाद पर अमित जोगी की दो टूक

या तो मेरी अर्थी उठेगी या प्रतिमा लगेगी, सीएम साय बोले- रेणु जोगी से हुई मुलाकात, प्रशासन की रिपोर्ट का इंतजार

रायपुर/गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 27 मई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री अजीत जोगी की प्रतिमा को लेकर विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। अब इस मुद्दे पर उनके पुत्र और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के नेता अमित जोगी ने दो टूक कहा है कि या तो मेरी अर्थी उठेगी या अजीत जोगी की प्रतिमा फिर से उसी स्थान पर स्थापित होगी।

अमित जोगी के मुताबिक जहां से प्रतिमा हटाई गई, वह निजी ज़मीन है और वहां नगरपालिका या राज्य शासन का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्य किसी के इशारे पर किया गया है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। अमित जोगी ने कहा मूर्ति जिस तरह रातों-रात चोरी हुई, उसी तरह वापस उसी जगह पर मूर्ति लगनी चाहिए। मैंने डिप्टी सीएम से बात की है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि जो भी अप्रिय घटनाएं हुई हैं, उन पर कार्रवाई की जाएगी। हमें न्याय चाहिए। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि प्रतिमा बिना सभी आवश्यक नियमों और प्रक्रियाओं को पूरा किए बिना स्थापित नहीं की जा सकती। इसके चलते जोगी समर्थकों और प्रशासन के अधिकारियों के बीच तीखी बहस हो रही है। अमित जोगी अभी धरने पर बैठे हैं, जहां उनके समर्थकों और प्रशासन के बीच झड़प भी हुई। वहीं, इस मामले पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का बयान भी सामने आया है। सीएम ने साय ने कहा कि रेणु जोगी (अजीत जोगी की पत्नी) ने कल मुझसे मुलाक़ात की थी। जो मामला सामने आया है, उसकी जानकारी प्रशासन से मंगाई गई है। जानकारी के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बागेश्वर धाम कथा से लौट रहे पूरे परिवार ने एक साथ की आत्महत्या, पंचकूला में कार के अंदर मिले 7 शव

नई दिल्ली, 27 मई (न्यूज चैनल)। धार्मिक आस्था से लौटते समय ऐसा भयानक मोड़ लेगा किसी ने सोचा भी नहीं होगा। पंचकूला के सेक्टर-27 में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब सड़क किनारे खड़ी एक कार में एक ही परिवार के सात लोगों के शव बरामद किए गए। यह परिवार देहरादून से बागेश्वर धाम की हनुमंत कथा में शामिल होने पंचकूला आया था और वापसी के दौरान कार में ही ज़हर खाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान देहरादून निवासी प्रवीण मित्तल (42), उनकी पत्नी, माता-पिता और तीन बच्चों (दो बेटियां, एक बेटा) के रूप में हुई है। सभी शव कार के अंदर बंद अवस्था में पाए गए। कार बाहर से लॉक थी और किसी भी तरह के संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। मौके से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें आर्थिक तंगी और कर्ज का जिक्र किया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि परिवार लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा था और कर्ज के कारण मानसिक दबाव में था। इसी तनाव के चलते उन्होंने यह खौफनाक कदम उठाया। प्रवीण मित्तल का परिवार बागेश्वर धाम के संत धीरेंद्र शास्त्री की हनुमंत कथा में भाग लेने के लिए पंचकूला आया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी देहरादून लौट रहे थे, लेकिन उससे पहले उन्होंने सेक्टर-27 में कार खड़ी की और सामूहिक आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पंचकूला पुलिस, फोरेंसिक टीम और डीसीपी हिमाद्री कौशिक मौके पर पहुंचे। डीसीपी (लॉ एंड ऑर्डर) अमित दहिया भी मौके पर मौजूद रहे। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और कार को जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है।

चूहा- सुनती हो, लालू यादव ने अपने लाल तेजप्रताप को पार्टी और परिवार से बेदखल कर दिया है।

चुहिया- हां जी, चुनाव का समय है, हाथी के दांत खाने के अलग और दिखाने के अलग होते हैं..!

नेता प्रतिपक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

रायपुर, 27 मई। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, बच्चों के प्यारे चाचा पंडित जवाहर लाल नेहरू देश को प्रगति के पर ले जाने वाले पथप्रदर्शक रहे हैं। विशाल भारत, समृद्ध भारत, प्रगतिशील भारत, सक्षम भारत की नींव रखी जो 21वीं सदी में विश्व स्तर पर दिखाई दे रहा है। नेहरू जी ने अपना राजनीतिक जीवन एक स्वाधीनता सेनानी के रूप में शुरू किया था, वह अपनी किशोरावस्था में ही महात्मा गांधी के आंदोलन से जुड़े रहे, कई बार जेल गए और अनेकों बार स्वाधीनता सेनानियों के कोर्ट में वकालत भी की थी ।

पैसा दुगुना करने का झांसा देकर 72 लाख की ठगी, 3 गिरफ्तार

कांकेर, 27 मई (हाईवे चैनल)। रियल एस्टेट और फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को दो महीने में रकम दुगुनी करने का लालच देकर 72 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को कांकेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने अफशा प्रॉपर्टी प्राइवेट लिमिटेड और आगाज इंफ्रा मल्टी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (ट्रेडिंग टायर्स एकेडमी) नामक कंपनियों के जरिए यह धोखाधड़ी की। जानकारी के अनुसार, आरोपी आम लोगों को रियल एस्टेट और फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश करवाकर 200 प्रतिशत कैशबैक और कार गिफ्ट देने का झांसा देते थे। जमीन की खरीद-फरोख्त में मोटे मुनाफे का लालच देकर बड़ी संख्या में लोगों से रकम जमा करवाई गई और बाद में ठगी कर ली गई। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन टीमों का गठन किया और रायपुर, दुर्ग एवं कोरबा शहर में दबिश देकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और ठगी के पूरे नेटवर्क की जांच जारी है।

बारनवापारा अभ्यारण्य में दो शिकारी गिरफ्तार बड़ी साजिश पर वन विभाग ने फेरा पानी

रायपुर, 27 मई (हाईवे चैनल)। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग द्वारा वन्य अपराधों पर अंकुश लगाया जा रहा है। मंत्री कश्यप ने वन्य अपराधों में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसी कड़ी में बारनवापारा अभ्यारण्य में वन्यजीवों के शिकार की बड़ी साजिश को बलौदा बाजार वन विभाग की सजग टीम ने समय रहते विफल कर दिया। गश्त के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से वाहन, एयर गन, टॉर्च और अन्य सामग्री जब्त की गई। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

वनमंडलाधिकारी गणवीर धम्मशील के निर्देशन में की गई इस त्वरित कार्रवाई में उप वनमंडलाधिकारी आनंद कुदरिया (बारनवापारा), अनिल वर्मा (कसडोल) प्रशिक्षु गजेन्द्र वर्मा तथा परिक्षेत्र अधिकारी जीवन लाल साहू के नेतृत्व में टीम ने रात्रि 10.30 बजे कोठारी क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 223 और सोनाखान परिक्षेत्र के नवागांव (कक्ष क्रमांक 247) में चल रही संदिग्ध गतिविधियों पर नज़र रखी। उन्होंने जांच के दौरान वाहन क्रमांक ष्ट्ठ 12 ⸝ 1332 वेगानआर गाड़ी को रोका गया, जिसमें बंटी कुमार मैथ्यूज (ग्राम कटगी, कसडोल) और सुरेंद्र फरमान दास (कोरबा निवासी) सवार थे। तलाशी में एयर गन, टॉर्च और दो मोबाइल सहित संदिग्ध सामग्री बरामद की गई। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि इनका उद्देश्य बारनवापारा क्षेत्र में वन्यजीवों का शिकार करना था। वन विभाग ने दोनों आरोपियों पर वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 और आयुध अधिनियम 1959 के तहत मामला दर्ज किया और उन्हें प्रथम श्रेणी न्यायालय बलौदा बाजार में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वनमंडलाधिकारी धम्मशील ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज की साझा ज़िम्मेदारी है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल वन विभाग को दें। उन्होंने नागरिकों और वन्यप्रेमियों से अपील की कि वन्यप्राणियों की रक्षा हेतु विभाग का सहयोग करें।

आठवें वेतन आयोग में बड़ा धमाका

बेसिक सैलरी में जबरदस्त उछाल बदल जाएगा पूरा सैलरी स्ट्रक्चर

नई दिल्ली, 27 मई (न्यूज चैनल)। 8वें वेतन आयोग की तरफ से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एक बड़ा बदलाव आने वाला है। इस बार सैलरी स्ट्रक्चर में लेवल-1 से लेकर लेवल-6 तक के वेतन स्तरों को मर्ज करने का प्रस्ताव सामने आया है। इसका मतलब है कि आपके वेतन और प्रमोशन के मौके दोनों में अच्छी बढ़ोतरी हो सकती है। अगर ये बदलाव लागू होते हैं, तो कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में बढ़ोतरी के साथ-साथ करियर ग्रोथ भी तेजी से होगी। यह नई व्यवस्था संभवत: 1 जनवरी 2026 से लागू हो सकती है, जिससे लाखों सरकारी कर्मचारियों को फायदा मिलेगा।

किन कर्मचारियों को मिलेगा सबसे ज्यादा फायदा ?

सबसे अधिक लाभ उन कर्मचारियों को होगा जो वर्तमान में लेवल-1, लेवल-3 और लेवल-5 पर हैं क्योंकि उनका वेतन सीधे उच्च स्तर के साथ मर्ज होगा और वेतनमान में तुरंत सुधार आएगा। वहीं, लेवल-2, 4 और 6 के कर्मचारियों को भी बेहतर प्रमोशन अवसर मिलेंगे।

केंद्र सरकार हर दस साल में वेतन आयोग बनाती है, जो सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतनमान, भत्ते और पेंशन में संशोधन की सिफारिशें करती है। 8वें वेतन आयोग को जनवरी 2025 में केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी मिली है और इसके सुझाव 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। इससे देश भर के करीब 50 लाख कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा। सरकार के समक्ष एक अहम सुझाव आया है जिसमें वेतन संरचना के शुरुआती छह स्तरों (लेवल 1 से लेवल 6) को घटाकर केवल तीन स्तर बनाए जाने की बात कही गई है। इसका मकसद है कर्मचारियों के वेतनमान में बढ़ोतरी के साथ ही उनके करियर ग्रोथ को तेज करना।

इससे कर्मचारियों को क्या लाभ होगा ?

बेसिक सैलरी में उछाल- मर्जर के बाद नए स्तर का बेसिक वेतन आमतौर पर मर्ज किए गए दो स्तरों में से उच्चतम स्तर के बराबर या उससे अधिक होगा। उदाहरण के तौर पर, लेवल 1 की बेसिक सैलरी करीब 18,000 से बढ़कर लगभग 34,000 तक पहुंच सकती है।

प्रमोशन की प्रक्रिया में तेजी- चूंकि लेवल्स की संख्या कम होगी, कर्मचारी तेजी से अगले स्तर तक पहुंच सकेंगे, जिससे उनका करियर ग्रोथ और वेतन वृद्धि भी तेज होगी।

वेतन असमानताओं में कमी- अलग-अलग लेकिन समीपवर्ती स्तरों के वेतन में विसंगतियों को खत्म करके सैलरी संरचना को और ज्यादा तार्किक बनाया जाएगा।

प्रशासनिक सादगी- कम स्तर होने से पे-रोल मैनेजमेंट और प्रशासनिक प्रक्रियाएं आसान होंगी।

प्रस्ताव के अनुसार नया लेवल ए : लेवल 1 और लेवल 2 को मिलाकर बनाया जाएगा। नया लेवल बी : लेवल 3 और लेवल 4 को मर्ज किया जाएगा। नया लेवल सी : लेवल 5 और लेवल 6 को एक साथ लाया जाएगा।

CMYK